हीरो एंटरप्राइज की मेजबानी में आयोजित हुआ माइंडमाइन समिट का 11वां संस्करण

सुनील कांत मुंजाल ने आविष्कार भारत फंड में 100 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की

एजेंसी

नयी दिल्ली। हीरो एंटरप्राइजेज द्वारा स्थापित एक स्वतंत्र थिंक टैंक माइंडमाइन इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित भारत के सबसे प्रभावशाली विचार मंच माइंडमाइन समिट का 11वां संस्करण आज राष्ट्रीय राजधानी में शुरू हुआ। इस साल के इस दो दिवसीय समिट का विषय है अवरोध-भारत के लिए नयी सामान्य चीज जिसमें आज पहले दिन सरकार में वरिष्ठ मंत्री, उद्योगपति और विभिन्न क्षेत्रों से विचारक अपने विचारों का आदान प्रदान करने के लिए शामिल हुए। इस सम्मेलन का उद्घाटन शहरी विकास, आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्री वेंकैया नायडू ने किया। इस अवसर पर रेल मंत्री सुरेश प्रभु भी मौजूद थे। समिट के दौरान सुनील कांत मुंजाल ने इंपैक्ट इनवेस्टिंग के क्षेत्र में विश्व की अग्रणी और आविष्कार-इंटेलकैप ग्रुप का हिस्सा आविष्कार द्वारा शुरू किए गए आविष्कार भारत फंड में 100 करोड़ रुपये का निवेश करने की भी घोषणा की। यह निवेश रोजगार, शिक्षा एवं कौशल, पर्यावरण, स्वास्थ्य और वित्तीय समावेश के संदर्भ में आज इस देश के समक्ष मौजूद प्रमुख चुनौतियों से निपटने की श्री मुंजाल की प्रतिबद्धता दर्शाता है। इस समिट का उद्घाटन करते हुए शहरी विकास, आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्री वेंकैया नायडू ने कहा कि सोशल मीडिया के जरिये लोगों की शिकायतें दूर करना हमारी शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। वास्तव में इंस्टाग्राम पर हमारे प्रधानमंत्री के सबसे ज्यादा फॉलोअर्स है, अमेरिकी राष्ट्रपति से भी ज्यादा। हम अवरोध के युग में जी रहे हैं जोकि इस सरकार की नीति निर्माण प्रक्रिया में भी आता है। इस आयोजन में हीरो एंटरप्राइज के चेयरमैन सुनील कांत मुंजाल ने कहा कि अत्यधिक आर्थिक मायूसी की इस दुनिया में भारत दुनिया के बाकी देशों के मुकाबले बेहतर कर रहा है। हालांकि, हमारे लिए इतना ही पर्याप्त नहीं है। हमने 1990 के दशक से ही वृद्धिशील परिवर्तन से कहीं अधिक की शुरूआत की है। माइंडमाइन में हमने पिछले 10 शिखर सम्मेलों पर नजर रखने की कोशिश की है और इस दिशा में हम मोड़ पर आगे रहे हैं। आज व्यवस्था को दुरुस्त करने की जरूरत बढ़ रही है और यथास्थिति ज्यादा दिनों तक स्वीकार्य नहीं है। भारत के उभरने और सभी भारतीयों की आकांक्षाएं पूरी करने के लिए क्या वृद्धिशील परिवर्तन ही पर्याप्त है या अवरोध नया नियम है सरकार विमुद्रीकरण, जीएसटी के क्रियान्वयन, डिजिटल भुगतान जैसे विघ्नकारी उपायों के जरिये ऐसे निर्णय कर रही है जिसका परिणाम आने वाले 10-20 साल या 50 साल में दिखाई देगा।